**भारत सरकार**

**रेल मंत्रालय**

**राज्य सभा**

**06.03.2020 के**

**अतारांकित प्रश्न सं. 1871 का उत्तर**

**विश्व स्तर की सुविधाएं प्रदान करने हेतु रेलवे स्टेशन को विकसित करना**

**1871. डा. अमी याज्ञिकः**

**श्री हरनाथ सिंह यादवः**

**लेफ्टीनेंट जनरल (डा.) डी. पी. वत्स (सेवानिवृत्त):**

**क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः**

(क) देश भर में रेल यात्रियों को विश्व स्तर की सुविधाएं प्रदान करने हेतु रेलवे द्वारा ज़ोन-वार अब तक कितने रेलवे स्टेशनों को विकसित किया गया है;

(ख) क्या रेलवे ने देश भर में रेलवे स्टेशनों के आधुनिकीकरण के लिए निजी क्षेत्र की भागीदारी की मांग की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस पर निजी क्षेत्र की क्या प्रतिक्रिया रही है;

(ग) क्या रेलवे ने स्टेशनों के आधुनिकीकरण के लिए निजी निवेशकों से बोलियां आमंत्रित की हैं यदि हां, तो अब तक प्राप्त प्रस्तावों का ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या रेलवे ने इस संबंध में अन्य देशों के साथ सहमति-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये हैं, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

**रेल और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री (श्री पीयूष गोयल)**

(क) से (घ): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

\*\*\*\*\*

विश्व स्तर की सुविधाएं प्रदान करने हेतु रेलवे स्टेशन को विकसित करने के संबंध में दिनांक 06.03.2020 को राज्‍य सभा में डा. अमी याज्ञिक, श्री हरनाथ सिंह यादव और लेफ्टीनेंट जनरल (डा.) डी. पी. वत्स (सेवानिवृत्त) के अतारांकित प्रश्‍न सं. 1871 के भाग (क) से (घ) के उत्‍तर से संबंधित **विवरण**।

(क): गांधीनगर (पश्चिम रेलवे) और हबीबगंज (पश्चिम मध्य रेलवे) रेलवे स्टेशनों पर पुनर्विकास का कार्य अंतिम चरण में है। गोमती नगर (पूर्वोत्तर रेलवे), आनंद विहार (उत्तर रेलवे), बिजवासन (उत्तर रेलवे) और चंडीगढ़ (उत्तर रेलवे) स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए ठेके प्रदान कर दिए गए हैं।

(ख) और (ग): निजी भागीदारी को आमंत्रित करके रेलवे स्टेशनों के आस-पास के खाली भूमि और नभ क्षेत्र की भू-संपदा संभाव्यता का उपयोग करते हुए स्टेशन को विकसित करने की योजना बनाई जाती है। पारदर्शी व प्रतिस्पर्धी प्रक्रिया का पालन करते हुए विकासकर्ता का चयन किया जाता है। हबीबगंज (भोपाल), गांधीनगर (गुजरात), गोमतीनगर, आनंद विहार, बिजवासन और चंडीगढ़ और सफदरजंग स्टेशनों जहां स्टेशन के पुनर्विकास के लिए निविदाएं जारी कर दी गई थीं, के लिए निजी विकासकर्ताओं ने रूचि दिखाई है।

(घ): इस संबंध में रेल मंत्रालय द्वारा अन्य देशों के बीच कोई समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर नहीं किया गया है।

\*\*\*\*\*\*